

बुआ की बेटी ने अपना बनाया

“ एक रात मुझे अपनी बुआ के घर उनकी युवा बेटी के संग रात को अकेले रहने का अवसर मिला. मैं पहले से ही अपनी बहन की जवानी पर नजर लगाए था. उस मौके का फ़ायदा मैंँ कैसे उठाया, पढ़ें मेरी बहन की चुदाई कहानी में!...”

Story By: (singhravi07)

Posted: Saturday, July 28th, 2018

Categories: [भाई बहन](#)

Online version: [बुआ की बेटी ने अपना बनाया](#)

बुआ की बेटी ने अपना बनाया

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम रोहित प्रकाश है और मैं जोधपुर राजस्थान से हूँ। मैं अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ। मेरी उम्र 24 साल है, मैं फिलहाल दिल्ली में नौकरी कर रहा हूँ। ये कहानी है मेरी जिंदगी में आई उस परी की है जिसने मुझे चुदाई की अनोखी दुनिया में प्रवेश दिलाया।

मैं जहां पर नौकरी करता हूँ वहीं से कुछ दूरी पर मेरी एक बुआ रहती हैं तो इस वजह से मेरा उनके यहां आना जाना बना रहता था। बुआ की दो लड़कियां हैं, बड़ी नेहा जो 23 साल की है और छोटी नूतन 19 साल की है। वैसे तो दोनों जबरदस्त माल हैं लेकिन नूतन की शारीरिक बनावट कमाल की है, उसके स्तनों का अतिरिक्त उभार और गांड की मांसलता उसके यौवन को चार चांद लगाती है।

नौकरी के लिए दिल्ली आने पर मैं बुआ के यहां जब मैं पहली बार गया था तब से मेरी आकांक्षाओं में एक नाम नूतन का भी जुड़ चुका था। मुझे याद है उसे पहली बार देखने के बाद अपने कमरे पर जाकर मैंने उसके नाम और रूप की कई मुट्ट मारी थी। लेकिन पता नहीं क्यों मैं उससे ठीक से बात नहीं कर पाता था और उसके सामने जाकर शर्मने लगता था।

लेकिन छः महीने पहले एक दिन रात को अचानक नूतन का फ़ोन आया, बोली- भैया, मम्मी और दीदी एक शादी में गए हैं, कल दोपहर तक आएंगे, मुझे बहुत डर लग रहा है, मैंने मम्मी को फोन करके बताया तो उन्होंने कहा रोहित भैया को बुला लो। मेरी तो जैसे किस्मत ही खुल गयी हो, मैं बहुत खुश हो गया, मैंने उससे कहा- डरो मत नूतन, मैं तुम्हारे घर आ रहा हूँ बस 20 मिनट में।

मैं जल्दी से तैयार हुआ और बाहर से रिक्शा करके निकल पड़ा। बाहर निकलते ही मुझे एक मेडिकल स्टोर दिखा और मैंने रिक्शे वाले को रोककर स्टोर से मैनफोर्स का एक पैकेट ले लिया यह सोच कर कि शायद इसे इस्तेमाल करने का अवसर ही प्राप्त हो जाए!

मैं जैसे ही बुआ के घर पहुँचा तो मेरी बहन नूतन दरवाजे के पास ही मेरा इंतज़ार कर रही थी।

मैंने मजाक मजाक में उसके दोनों कन्धों को पकड़ते हुए नूतन को डांट पिलाते हुए कहा- क्या यार, इतनी डरपोक हो तुम ?

उसने कहा- भैया, अब से पहले मैं रात को अकेले कभी नहीं रही हूँ इसलिए डर रही थी।

फिर मैंने पूछा- तुमने खाना वाना भी खाया या नहीं ?

तो उसने बोला- नहीं भैया, खाना मैंने बनाया ही नहीं!

फिर मैं बाहर जाकर होटल से बटर चिकन पैक करवा कर वापस आया।

तो उसने देखते ही बोला- भाई, तुझे कैसे पता कि मेरा फेवरेट बटर चिकन है।

तो फिर मैंने कहा- मुझे सब पता है, चल जल्दी खा ले... बकवास न कर!

इसके बाद मैं टीवी देखने दूसरे रूम में चला गया। रात के 10 बजे थे और मैं मन ही मन में न जाने कितनी बार उसे चोदने का ख्याल किये बैठा था।

कुछ देर बाद नूतन खाना खा कर मेरे पास आयी। मैं तो उसे देखकर बिल्कुल अवाक रह गया, उसने ब्लैक टॉप के नीचे लोअर पहन लिया था। उसकी चूचियाँ कुछ ज्यादा ही बड़ी लगने लगी थीं इस ड्रेस में।

वो सोफे पर बेपरवाह बैठ गयी और मुझसे पूछने लगी- भाई, ये बता तू इतना मुझसे शर्माता क्यों है? क्या मैं सुंदर नहीं हूँ?

मैंने अपने आप को हिम्मत देते हुए कहा- नहीं रे पागल, वो तो ऐसे ही है। तू बहुत सुंदर है

और मुझे बहुत अच्छी लगती है लेकिन तू आखिर में है तो मेरी बहन ही ।

इतने में मैंने नूतन से पूछा- और तू तो बता कि मैं तुझे कैसा लगता हूँ ?

तो वो बोली- क्या भैया, तुम तो मेरे हीरो हो ! तुम मुझे बहुत अच्छे लगते हो !

इतना कहते ही वो मेरे और पास आई और मुझे गले लगा लिया ।

मैं न जाने किस दुनिया में था... पहली बार किसी लड़की ने मुझे हग किया था ।

अब मेरी हिम्मत और बढ़ी और मैंने भी अपनी बहन को अपनी बांहों में समेट लिया और दोनों हाथों से उसकी पीठ को सहलाने लगा । फिर मैंने उसके कान के पास एक चुम्बन लिया और वो मदहोश होने लगी ।

फिर क्या था... हमारे होंठ आपस में मिले और हम बहुत देर तक एक दूसरे के होठों को जीभ से चूमते रहे । अब हम किसी पेशेवर प्रेमी की तरह लग रहे थे फिर मैंने उसकी टॉप को पीछे की तरफ से धीरे धीरे ऊपर की ओर उतारने लगा उसने भी साथ देते हुए मेरी शर्ट के बटन खोल दिये ।

उसने ग्रे रंग की ब्रा और काले रंग की पैंटी पहनी थी । फिर मैंने उसकी पीठ को चूमते हुए उसकी ब्रा के हुक को खोला । अब वो कुछ एतराज कर रही थी मैंने समझाया- मैं कॉन्डोम लाया हूँ, तू परेशान न हो ।

फिर मैंने भी अपनी बनियान और अंडरवियर को उतार फेंका ।

अब मैं बिल्कुल नंगा था और वो केवल पैंटी में थी । क्या मस्त माल थी दोस्तो, बिल्कुल किसी पोर्न अभिनेत्री की तरह ।

मैंने अपने लंड को हाथ पर लेकर उसकी मुँह की तरफ बढ़ाया और उसने भी बेशर्मा की तरह मेरे लंड को मुँह में लेकर खूब चूसा ।

फिर मैंने उसकी पैंटी को उतारा... ओहो क्या मस्त चूत थी ? मैंने उसकी चूत पर उंगलियां

फेरते हुए अपनी जीभ को अपनी बहन की चूत में धंसा दिया, अब वो मदमस्त होकर आहें भर रही थी।

ऐसा बिल्कुल भी नहीं लग रहा था जैसे मैं उसके साथ पहली बार सेक्स कर रहा हूँ और उसकी चुदाई का तो मुझे पता नहीं जाने कितनों से चुदवाई होगी।

मुझसे अब बर्दाश्त नहीं हो रहा था, मैंने तुरंत ही उसे अलग करके जीन्स की जेब से कॉन्डम निकाला और उसे अपने लंड पर लगा के नूतन को बिस्तर पर धक्का दे दिया। मेरी चचेरी बहन मेरे सामने बेशर्मा की भान्ति नंगी लेटी थी और जैसे इन्तजार कर रही थी कि कब मैं उसके नग्न तन पर आकर अपना अधिकार जमा लूं.

मैं समझ गया था ये लड़की पहले से ही खेली खाई है, खूब चुदी चुदाई है, चालू माल है इसलिए मैं बिस्तर पर आया, अपनी बहन के नंगे बदन पर लेट कर उसे पूरा ढक लिया और उसके होंठों पर होंठ रखा कर प्रगाढ़ चुम्बन करने लगा.

नीचे मैंने अपने पैरों का उपयोग करके उसे दोनों पैरों को बाहर की ओर सरकाना शुरू किया और धीरे धीरे मैंने उसकी जांघों के बीच में आ गया, मेरा लंड अब अपनी बहन की चूत के ऊपर था, मेरी बहन मेरे नीचे लेटी कसमसा रही थी, चाह रही थी कि मैं जल्दी से अपना लंड उसकी चूत में घुसा दूँ.

मैंने उसे आँखों से इशारा किया कि मेरे लंड को पकड़ कर अपनी चूत के छेद में टिकाये. वो मेरा इशारा समझ गयी, उसने मेरे लंड को अपने हाथ से पकड़ कर अपनी चूत के छेद पर टिकाया और साथ ही नीचे से अपने चूतड़ उछल कर मुझे इशारा दिया कि मैंने धक्का मार कर लंड उसकी चूत में घुसा दूँ.

मैंने अपने चूतड़ों से एक झटका मारा और मेरा लंड बिना किसी रोक टोक के मेरी बहन की चूत में घुसता चला गया. मेरी बहन के मुख से आनन्द भरी एक चीख सी निकल गयी ‘ उम्ह... अहह... हय... याह...’

मुझे भी अपनी बहना की गीली चूत मेरे लंड के इर्द गिर्द लिपटी हुयी महसूस हो रही थी. अब मैंने अपनी बहन को पूरा जोर मार के चोदना शुरू किया। मैंने करीब 15 मिनट तक उसको चोदता रहा हूँगा, कभी मैंने उसे घोड़ी बना कर चोदा तो कभी अपनी जांघों पर आमने सामने बिठा कर उसके चूतड़ों के नीचे हाथ रख कर चोदा। वो भी जोर जोर से ऊँह आह किये जा रही थी।

अब हम अपने सेक्स अध्याय के समापन की तरफ बढ़ रहे थे। मैंने अंतिम झटका मार कर अपने वीर्य की नदी बहा दी लेकिन मुझे दुःख है कि वो नदी मेरी बहन की चूत के अंदर नहीं बही, वो नदी कंडोम में उलझ कर रह गयी.

और झड़ने के बाद मैंने अपनी बहन के होठों को चूम कर उससे कहा- आई लव यू नूतन... तुमने जो मुझे ये प्यार दिया, उसे मैं कभी नहीं भूलूँगा।

फिर हमने बाथरूम जाकर अपने आपको साफ किया और आकर एक दूसरे की बांहों में सो गए।

बीच रात में मेरी नींद खुली तो देखा कि मेरी बहन मेरे साथ पूरी नंगी सो रही थी, मेरे लंड ने फिर से अंगड़ाई ली और मैं अपनी बहन को एक बार फिर से चोदने को उतावला हो गया.

मैंने अपनी बहन को बिना जगाये उसके पैर दायें बायें सरका कर उसकी चूत को खोला और अपनी जीभ से चाटने लगा.

दो ही मिनट में मेरी बहन जाग गयी और उम्म आह करने लगी. वो बड़ा मजा लेकर अपनी चूत चटवा रही थी. उसके बाद मैं उसके ऊपर आया और अपने हाथ से लंड को चूत के द्वार पर टिका कर अंदर धकेल दिया और धकापेल चोदने लगा. मेरी बहन मेरे नीचे पड़ी चुद रही थी और सिसकारियां भर रही थी.

थोड़ी देर बाद जब मैं झड़ने को हुआ तो मुझे याद आया कि मैंने इस बार कंडोम तो

लगाया ही नहीं.. लेकिन अब क्या हो सकता था, मैंने सोचा कि जो हो रहा है होने दो... अभी मैं अपना मजा क्यों खराब करूं!

मैंने अपना वीर्य अपनी बहन की चूत में ही छोड़ दिया और उसके ऊपर से हट कर उसकी बगल में लेट गया. शीघ्र ही मुझे नींद आ गयी.

सुबह उठा तो मैं नूतन को जगाया और अपने कमरे पर आ गया. लेकिन थकान की वजह से ऑफिस में बहाना करके छुट्टी ले ली।

दोपहर में नूतन का फ़ोन आया- भाई, मैं तेरे गेट के बाहर हूं, मम्मी और दी कल आएंगे क्योंकि उन्हें उन लोगों ने रोक लिया।

वो मेरे कमरे पर आई. उसी दोपहर मैंने उसे दो बार बिना कंडोम के चोदा और शाम को उसके घर गया और पूरी रात हमने मजे किये।

अगैल दिन मैंने उससे पूछा- यार, तुम बिना कंडोम के चुद रही हो ? कुछ हो गया तो ? तो वो बोली- भैया, मैं आज ही दवाई ले लूंगी, कुछ नहीं होगा, आप चिंता मत करो !

पिछले छः महीनों में हम दोनों भाई बहन ने मौके पाकर बहुत बार चुदाई के मजे लिए। अब मेरी शादी हो चुकी है पर मौके पर हम चुदाई कर लेते हैं।

अगले महीने उसकी भी शादी होने जा रही है।

तो दोस्तो, कैसी लगी आपको मेरी ये सच्ची कहानी ? जरूर बताइयेगा

rnash090@gmail.com पर।

